

अस्थिर बाजार में फंडों में निवेश की नीति

विकास एम. सचदेवा

देश के शेयर बाजारों में पिछले कुछ महीनों से जो अस्थिरता का माहौल बना हुआ है उसके पीछे की प्रमुख वजह विकसित देशों, खासतौर से यूरोजोन के देशों में चल रही अनिश्चितता तथा घरेलू ग्रोथ रेट को लेकर छाया डर है। ऐसे समय में भारतीय निवेशक भी असमंजस में हैं कि जब बाजार में अस्थिरता का माहौल रहे तो वे निवेश की किस रणनीति पर अमल करें। पर हमारा मानना यह है कि माहौल चाहे जैसा भी रहे, भले ही परिस्थितियां आज जैसी ही क्यों न हो, अगर निवेशक सोच-समझ कर निवेश की दिशा में अपने कदम बढ़ाएंगे तो वह कभी घाटे में नहीं रहेंगे।

यह बात यही है कि बाजार के दशा और दिशा की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती। पर आप उतार-चढ़ाव भरे बाजार में भी सुनियोजित और सावधानी से कदम उठा कर निवेश का लाभ उठा सकते हैं। आइए हम निवेश के की ऐसी ही कुछ असरदार नीतियों के बारे में जानते हैं।

अनिश्चित दुनिया में निश्चितता

खुदरा निवेशकों के लिए यह जानना सबसे जरूरी है कि निवेश कहां करें। साथ ही इसमें एसेट एलोकेशन, शेयरों, बांड्स, नकदी, विभिन्न सेक्टरों, विदेशी निवेश, सूचकांक और ईटीएफ-एक्सचेंज ट्रेडेड फंड आदि के बारे में गहन जानकारी की भी दरकार होती है। पर अच्छी बात यह है कि आज के म्यूचुअल फंड बाजार में ऐसी योजनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला है जो हर तरह के निवेशकों की खास निवेश जरूरतों को पूरा कर सकती हैं।

अगर आप शेयर बाजार के बारे में कम परिचित हैं तो आपके लिए अच्छा रहेगा कि आप म्यूचुअल फंडों में निवेश से शुरूआत कर कुछ सीखें। इससे आप अपने जोखिमों का प्रबंधन करने में भी सक्षम



हो जाएंगे तथा आपको यह भी जानकारी हो जाएगी कि वित्तीय बाजार में निवेश करने के लिए प्राथमिक तौर पर आपको किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। अच्छे म्यूचुअल फंड का चयन करने के लिए आपको कई कंपनियों के ऑफर डॉक्यूमेंट्स खंगालने पड़ेंगे और हर फंड के होल्डिंग्स की समीक्षा करनी होगी। भारत में म्यूचुअल फंड्स का नियमन और मॉनिटरिंग सिक्क्यूरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया-सेबी द्वारा की जाती है और यही संस्था म्यूचुअल फंड निवेशकों के हितों की रक्षा भी करती

है। म्यूचुअल फंडों द्वारा निवेशकों को अपने निवेश की नियमित जानकारी देना जरूरी होता है।

आसान है फंडों में निवेश करना

म्यूचुअल फंड में निवेश करना बढ़िया व सरल होता होता है क्योंकि उनके फंड प्रबंधक रिसर्च के आधार पर अच्छे शेयरों या ऋण इंस्ट्रुमेंट्स चुनने के लिए जिम्मेदार होते हैं। वे आपके लिए प्रयास करते हैं पर आपको समय-समय पर प्रत्येक फंड की समीक्षा करने की जरूरत रहती है और

अपने निवेश लक्ष्य के हिसाब से म्यूचुअल फंड का चयन करना होता है। इसके अतिरिक्त भी म्यूचुअल फंड में कई गुण व कई विशेषताएं होती हैं और इसी वजह से वे खुदरा निवेशकों के लिए फायदेमंद होते हैं।

डाइवर्सिफिकेशन

एक अकेले म्यूचुअल फंड में सैकड़ों कंपनियों की प्रतिभूतियां हो सकती हैं। जितना एक इंडिविजुअल निवेशक अपने निजी पोर्टफोलियो में रख सकता

है, उससे कहीं ज्यादा विविधताएं तो एक म्यूचुअल फंड में समाहित होती हैं। इस डाइवर्सिफिकेशन की वजह से किसी एक खास कंपनी या उद्योग में होने वाली समस्याओं या नुकसान के जोखिम को कम भी किया जा सकता है।

प्रोफेशनल मैनेजमेंट

म्यूचुअल फंड योजनाओं का प्रबंधन प्रोफेशनल फंड मैनेजर करते हैं जो समर्पित रूप से यही जिम्मेदारी निभाते हैं। वह यह अच्छी तरह समझते हैं कि कब बेचना है और कब खरीदना है। कहां निवेश किया जाए इस पर शोध करने के लिए एक शोध टीम होती है और उनकी कंपनी प्रबंधन तक सीधे पहुंच होती है। यह सब किसी व्यक्तिगत निवेशक के वश में शायद ही हो।

लिक्विडिटी

शेयरों की तरह म्यूचुअल फंडों में भी लिक्विडिटी का गुण होता है यानी कि निवेशक की जब भी मर्जी हो या उसे पैसे की आवश्यकता हो, आसानी से अपनी सुविधानुसार इसे बेच सकते हैं। वैसे कई शेयर आसानी से बेचे नहीं जा सकते क्योंकि उनके खरीदार नहीं होते या उनका बाजार ठंडा होता है पर म्यूचुअल फंडों के सामने यह समस्या नहीं आती।

अस्थिर बाजार में अपनाएं सिप की नीति

अब एक बार आपने म्यूचुअल फंड में निवेश करने का फैसला कर लिया है तो आपके लिए बेहतर यह रहेगा कि आप सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी सिप का रास्ता अपनाएं। इस विकल्प के तहत आप म्यूचुअल फंडों में नियमित अंतराल पर एक निश्चित रकम का निवेश कर सकेंगे। यह एक अनुशासित निवेश विकल्प है। इससे आपको अपनी पूंजी की सुरक्षा करने में मदद मिलेगी और

साथ लांग टर्म में आपको वेल्थ क्रिएशन का सुख हासिल होगा। सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान-सिप का रास्ता अपनाते ही आप म्यूचुअल फंड के अनुशासित निवेशक का दर्जा हासिल कर लेंगे। आप अपने वित्तीय लक्ष्य को हासिल करेंगे और साथ ही आपको रूपाई कॉस्ट एवरेजिंग का फायदा मिलेगा, आपका निवेश चक्रवृद्धि लाभ के साथ बढ़ेगा। यह फायदा आपको मिलेगा म्यूचुअल फंड में निवेश करने से। अनुसंधान बताते हैं कि निफटी में मासिक सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान के जरिये म्यूचुअल फंड निवेश पर जनवरी 1995 से नवंबर 2011 के बीच किसी भी समय न्यूनतम 16.98 फीसदी का रिटर्न प्राप्त हुआ है। अगर इसे 10 साल के औसत से देखें तो यह 27 फीसदी के करीब होता है। एक अनुशासित निवेश रणनीति हर समय कामयाब रहती है, यहां तक कि यह बाजार की अस्थिरता के समय भी कारगर रहती है। यह लंबे समय में ज्यादा फायदा देती है और इस ज्यादा फायदे के लिए आपको कोई खास जोखिम भी नहीं उठाना होता। म्यूचुअल फंड का रास्ता अपनाएंगे तो आपको यहीं तो फायदा मिलेगा। निवेश की अवधि लंबी होने से जहां रिटर्न में इजाफा होगा वहीं समय के साथ जोखिम घटता जाएगा। जब बाजार में उतार-चढ़ाव का दौर चल रहा हो तो आपको खास तौर से सावधान रहने की आवश्यकता होती है। विगत तीन सालों का समय इस बारे में असाधारण है। ऐसी परिस्थिति में इक्विटी म्यूचुअल फंड से रिटर्न कम होने की संभावना रहती है। लिहाजा सिस्टमेटिक अप्रोच रहे और 5-7 सालों तक निवेश करते रहें ताकि आप एक अच्छी-खासी रकम जमा करने में सफल हो सकें।

- लेखक एडलवाइस एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड के चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर हैं। प्रकाशित विचार उनके निजी हैं।